नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के खरे बोल

तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की बैठक केवल एक औपचारिक मंच नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक शक्ति समीकरणों में भारत की नई भूमिका का संकेतक बनी. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जिस दृढ़ता और स्पष्टता के साथ आतंकवाद पर दो-टूक रुख अपनाया, वह भारत की विदेश नीति में 'रक्षात्मक रणनीति' से 'प्रोएक्टिव डिटरेंस' की ओर बदलाव का प्रतीक है.

जयशंकर का वक्तव्य केवल पाकिस्तान को नहीं, बल्कि उन वैश्विक और क्षेत्रीय ताकतों को भी सीधी चेतावनी है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड अपनाती हैं. पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा और आवश्यक हुआ तो कठोर जवाबी कार्रवाई करेगा. यह संकेत है कि भारत अब आतंकवाद को केवल सुरक्षा चुनौती नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता पर सीधा हमला मानता है. दरअसल, 'ऑपरेशन सिंदूर' को सही ठहराना केवल सैन्य निर्णय का बचाव नहीं था, बल्कि एक रणनीतिक संदेश भी था—यदि भारत पर हमला होगा, तो जवाब उसी पैमाने पर दिया जाएगा.

भारत का यह आक्रामक रुख केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा. जयशंकर ने बैठक में 'संप्रभु समानता' और 'क्षेत्रीय अखंडता' का मुद्दा उठाकर चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को अप्रत्यक्ष चुनौती दी. यह भारत की उस स्थायी नीति की पुनर्पुष्टि है जिसमें किसी भी बहुपक्षीय सहयोग को संप्रभुता से समझौता करके स्वीकार नहीं किया जाएगा. यह रुख खासतौर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन लगातार पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में परियोजनाओं के जरिए भारत की संवेदनशील सीमाओं पर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है. जयशंकर का वक्तव्य तीन स्तरों पर असर डालेगा,पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर भारत की नई आक्रामक नीति का हिस्सा है.

भारत केवल आर्थिक भागीदार नहीं, बल्कि सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दों पर कठोर रुख अपनाने वाला राष्ट्र है और भारत की नीति अब केवल विकास-केंद्रित नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थिरता और आतंकवाद-रोधी एजेंडा पर केंद्रित हो रही है. इससे भारत को पश्चिमी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन मिलेगा. आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस को लेकर केवल बयान नहीं, बल्कि सैन्य और आर्थिक जवाब भी दिया जाएगा. विश्व मंचों पर भारत की आक्रामक मौजूदगी रहेगी. कुल मिलाकर, भारत की विदेश नीति अब संतुलनकारी शक्ति से आगे बढ़कर निर्धारित रणनीतिक भूमिका की ओर बढ़ रही है. यह संकेत है कि भारत न केवल एशिया की भू-राजनीतिक गणनाओं में बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी निर्णायक कारक बनने को तैयार है.

दरअसल जिस तरह से एस जयशंकर ने चीन के सामने पाकिस्तान की हेकड़ी निकाली, उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए. भारत के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने कड़ा संदेश देते कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा. जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगा. भारत की इस लताड़ के बाद पाकिस्तान के सुर बदले-बदले दिखे.

आधार की धार पैनी करने की आवश्यकता है!

राजीव खण्डेलवाल

उच्चतम न्यायालय से लेकर सर्वथा चर्चा चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की विशेष गहन पुर्नरीक्षण (सर) की अभूतपूर्व कार्रवाई की है.यद्यपि चुनाव आयोग का यह दावा है कि इसी तरह की प्रक्रिया वर्ष 2003 में बिहार में की जा चुकी है.अत: यह अभूतपूर्व नहीं है, जैसा कि विपक्षी दलों के कुछ नेतागण दावा कर रहे हैं.यद्यपि उक्त कदावत लगभग 1 वर्ष में 2004 के लोकसभा चुनाव के पूर्व पूरी हो गई थी.तथापि इस सूची के आधार पर ही पूरे देश के लोकसभा चुनाव वर्ष 2024 में हो चुके हैं.फिर वर्ष 2024 के बाद भी मतदाता सूची का सामान्य सत्यापन जिसे विशेष सारांश पुर्नरीक्षण एस.एस.आर 2025 चुनाव आयोग करा चुका है.

> **आधार में गड़बड़ी, जालसाजी नकारने का आधार नहीं हो सकता है-** सही कहा हैं; खटमल के कारण खटिया क्यों मार खाये? बात जहां तक गड़बड़ी की है, वह गड़बड़ी, जालसाजी सिर्फ आधार कार्ड तक ही सीमित नहीं है, वह हर पहचान पत्र के साथ हो सकती ही नहीं, बल्कि चक्की में से भी साबुत निकल आवे की हद तक जुड़ी हुई है .जब देश में कोई भी नया कानून बनाया जाता है, तब उसके दुरुपयोग की संभावनाएं कहीं न कहीं रहती ही हैं .परन्तु इस आधार पर कोई कानून ही न बनाया जाए ऐसा नहीं होता है .यही सिद्धांत आधार को आधार मानकर लागू करना चाहिए और जहां भी गड़बड़ी की कोई सूचना चुनाव आयोग के पास है, क्योंकि यह अधिकार उसी के पास है कि वह मतदाता सूची की गड़बड़ियों, गलतियों को ठीक करें, गाय को अपने सींग भारी नहीं होते; ऐसे गलत अवैध आधार कार्ड के आधार पर मतदाता सूची से नाम निरस्त करें .परन्तु आधार का आधार मजबूत कर धार-दार बनायें .

द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की एक रिपोर्ट के अनुसार यह एक नियमित प्रक्रिया है.परिणाम स्वरूप जनवरी 2025 तक यह मतदाता सूची मजबूत व अद्यतन मानी गई.आम मतदाता चुनाव आयोग की इस नए अभियान से आधार के आधार पर मिले मताधिकार के कारण एक नागरिक होने के नाते सरकारी योजनाओं से मिलने वाली सुविधाओं के प्रति वह चिंतित है.क्या चुनाव आयोग अब 'आधार' को निराधार ठहराने का प्रयास कर रहा है? जैसा कि कुछ विपक्षी नेता आरोप लगा रहे हैं.यह तो जिन्न को वापस बोतल में डालने जैसा है.चुनाव आयोग ने अनजाने में ही विपक्षी दलों को जो अभी से मतदाता को चेता रहे हैं कि तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जरा, को चुनाव आयोग व सत्ता पक्ष के विरोध में एक चुनावी हथियार बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा के आम चुनावी बेला के पूर्व ही दे दिया है.बि-हार, जिसमें हार शब्द शामिल है, विपक्ष के शब्दों में चुनाव आयोग इस हार को किस तरह, किसके पक्ष में प्रभावित करेगा या किसके गले में हार पहनाया, इसकी सत्यता फिलहाल समय के गर्भ में है?

आखिर आधार कार्ड है क्या?- वर्ष 2009 में यूपीए सरकार ने आधार कार्ड की योजना को लागू किया गया था.तथापि तत्समय भाजपा ने आधार परियोजना का स्पष्ट रूप से समर्थन नहीं किया था.विपक्ष में होने के नाते, भाजपा ने आधार कार्ड की शुरुआत के दौरान निजता, डेटा सुरक्षा, और इसकी अनिवार्यता को लेकर चिंताएँ व्यक्त की थीं.हालांकि, 2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने आधार को न केवल अपनाया बल्कि इसका विस्तार भी किया और 2016 में आधार अधिनियम को पारित करवाकर इसे कानूनी मान्यता दी.

चुनाव आयोग ने अगस्त 2022 में स्वयं मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने की स्वेच्छिक प्रक्रिया प्रारंभ की है.वैसे चुनाव आयोग ने कभी भी न तो आज और न ही इसके पूर्व सिर्फ आधार के आधार पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया को लागू किया है.आधार सिर्फ व्यक्ति की पहचान व निशान को प्रमाणित करता है.इससे ज्यादा कुछ नहीं.नागरिकता को कदापि नहीं! तथापि आधार सहायक दस्तावेज के रूप में किसी भी पहचान पत्र का एक महत्वपूर्ण भाग अवश्य रहा है.वास्तव में आवश्यकता आज इस बात की थी कि आधार का आधार क्षेत्र बढ़ाकर व्यापक किया जाकर उसे एक पूर्ण स्वतंत्र कार्ड के रूप में स्वीकार किया जाकर मान्यता दी जानी चाहिए.माननीय न्यायाधिपति धूलिया का यह कथन अपने आप में ही बहुत ही महत्वपूर्ण है कि आप जो दस्वावेज मांग रहे है, अगर मुझसे मांगेगें तो मेरे पास भी नहीं मिलेगा.इससे आधार कार्ड की महत्ता, सुलभता व उपयोगिता सिद्ध होती है।

आधार का आधार-व्यापक क्षेत्र बढ़ाया जाना चाहिए- वोटर आईडी जो स्वयं चुनाव आयोग द्वारा जारी किया गया है, उसे भी वर्तमान पुनरीक्षण में चुनाव आयोग स्वीकार करने से इंकार कर रहा है.इसे समझदारी पूर्ण निर्णय नहीं कहा जा सकता है.यह ठीक उसी प्रकार हो रहा है, जिस प्रकार भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के समय यह तय किया था कि पाकिस्तान सेना या नागरिकों पर हमला नहीं करेगा, सिर्फ आतंकी आतंकियों और आतंकी स्थल को टारगेट किया जाएगा.

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

बुनियादी शिक्षा में कमजोरी चिंताजनक

देश की स्कूलों में बुनियादी साक्षरता व गणित को लेकर चिंताजनक स्थिति बनी हुई है. परख आरएस की ओर से किए गए सर्वेक्षण में देश के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की निजी व सरकारी स्कूलों के कक्षा 3, 6 व 9 के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया. इनमें कक्षा 3 के छात्र अपेक्षाकृत बेहतर रहे लेकिन उनमें से भी 55 प्रतिशत 99 तक के अंक ऊपर व नीचे गिन व पहचान सके. 58 फीसदी छात्र दहाई अंकों का जोड़-घटाना कर पाए. इसके विपरीत कक्षा 6 के छात्र बड़ी संख्याएं पढ़ नहीं पाए तथा 43 प्रतिशत पाठ्यपुस्तक का मुख्य विषय समझ नहीं पाए. 51 प्रतिशत छात्रों को नदियों, पर्वतों की पहचान या पंचायत के संबंध में जानकारी नहीं थी. 9वीं कक्षा के 63 प्रतिशत छात्र गणित में काफी कमजोर पाए गए. इसके लिए शिक्षा प्रणाली को दोष दिया जा रहा है. शिक्षकों की तादाद में कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव, छात्रों की अज्ञानता की प्रमुख वजह है. एकीकृत जिला सूचना प्रणाली के अनुसार प्राथमिक शालाओं के एकतिहाई शिक्षकों के पास आवश्यक अध्यापन डिग्री नहीं है. बिहार और मध्यप्रदेश में यह प्रतिशत और भी ज्यादा है. इन राज्यों के 50 प्रतिशत शिक्षकों के पास डीएड, बीएड जैसी योग्यता नहीं है. लगभग 45 प्रतिशत स्कूल योग्य शिक्षकों के बगैर संचालित हो रहे हैं. इससे सीखने की उम्र में बच्चे कुछ भी ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं. पढ़ाई का बुनियादी ढांचा इस तरह कमजोर होना चिंताजनक है. छोटी कक्षाओं में सही तरीके से पढ़ाई हो तो बड़ी कक्षा में विषय समझ में आता है. यदि 9वीं का छात्र कमजोर रहेगा तो आगे चलकर 10वीं बोर्ड की परीक्षा कैसे पास कर पाएगा? सर्वेक्षण के नतीजे तो आ गए लेकिन उसके आधार पर अगली कारवाई होना आवश्यक है. न्यूनताओं में आवश्यक सुधार कर शिक्षा का स्तर सुधारने को प्राथमिकता दी जाए. महाराष्ट्र में बच्चे मराठी में कच्चे पाए गए हैं मार्च 2025 के 10वीं के नतीजों के मुताबिक राज्य में प्रथम भाषा के तौर पर मराठी की परीक्षा देनेवाले 63658 बच्चे 35 अंक भी हासिल नहीं कर पाए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

ग्वालियर चंबल डायरी

चंबल में भाजपा को एकजुट कर मिशन 28 के लिए तैयार करने की चुनौती

हरीश दुबे

हेमंत खंडेलवाल का कभी ग्वालियर चंबल की भाजपा राजनीति में सीधा हस्तक्षेप और दखल नहीं रहा लेकिन ग्वालियर में कई पुराने नेता हैं जिनसे नए भाजपा अध्यक्ष के उस वक्त से पारिवारिक रिश्ते हैं, जब उनके पिताश्री सांसद होते थे. बहरहाल, प्रदेश भाजपा की कमान संभालने के बाद हेमंत खंडेलवाल पहली दफा ग्वालियर आ रहे हैं और उनके स्वागत, अभिनन्दन के लिए ग्वालियर की सड़कें और गली चौबारे सज गए हैं. ग्वालियर चम्बल की भाजपा को नेताओं के आपसी मतभेदों से उबार कर पार्टी को एकजुट कर मिशन 2028 की चुनौती से मुक़ाबिल करने के लिए तैयार करना नए अध्यक्ष के लिए प्रथम सर्वोपरि चुनौती है.

वैसे खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष पद पर चयन के वक्त उनके नाम पर जिस तरह सर्वसम्मति उभरी, वह ग्वालियर भाजपा के लिए सकारात्मक वातावरण की आस लगाए कार्यकर्ताओं के लिए शुभ संकेत है. खंडेलवाल के स्वागत की तैयारियों में भी स्थानीय भाजपा नेताओं की एकजुटता दिख रही है. यह किसी से छिपा नहीं है कि ग्वालियर चंबल में भाजपा स्पष्ट तौर पर सिंधिया और नरेंद्रसिंह के खेमों के बीच विभक्त नजर आती है. इसके अलावा ग्वालियर में ही जयभान सिंह पवैया जैसे प्रतिबद्ध नेता भी हैं जो किसी एक खेमे से न जुड़कर अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं. पार्टी के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में गुटबाजी साफ दिखी है. इसी का नतीजा है कि ग्वालियर के तीनों प्राधिकरण पिछले सात साल से खाली पड़े हुए हैं. एल्डरमैन से लेकर निगम मंडलों तक में नियुक्तियां नहीं हो पाई हैं. ग्वालियर शहर जनसंघ से लेकर भाजपा तक की स्थापना तक संस्थापक भूमि रही है. पिछले दो दशकों में ही नरेन्द्र सिंह तोमर और प्रभात झा से लेकर वीडी शर्मा तक को मप्र भाजपा का अध्यक्ष रहने का अवसर मिला. इस बार भी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए ग्वालियर चंबल अंचल से कई दावेदारी उभरी थीं लेकिन सर्वसम्मति हेमंत खंडेलवाल के नाम पर उभरी. देखना है कि प्रदेश भाजपा के नए मुखिया ग्वालियर में पार्टी को एकजुट कर भविष्य की चुनौतियों पर विजय के लिए किस तरह के कदम उठाते हैं और स्थानीय नेता अपनी निजी प्रतिद्वंदता और मान प्रतिष्ठा भुलाकर उन्हें सहयोग करते हैं.

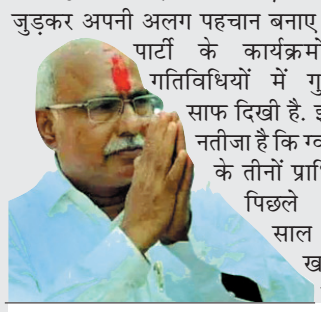

ग्वालियर मेला में फिर झमेला!

ग्रीष्मकालीन मेले की असफलता के बाद मेला प्राधिकरण अब दिसंबर से शुरू होने वाले वार्षिक मेला की तैयारी में जुट गया है लेकिन इसी बीच मेला प्राधिकरण के एक फैसले ने पिछली कई पीढ़ियों से मेला में दुकानें लगाते आ रहे व्यापारियों को मुसीबत में डाल दिया है. मेला प्राधिकरण ने फरमान जारी कर दिया है कि ग्वालियर मेला की 75 प्रतिशत दुकानों को ई टेंडर के माध्यम से आवंटित किया जाएगा और सिर्फ 25 प्रतिशत दुकानें ही पुराने दुकानदारों को प्राथमिकता के आधार पर मिलेंगी. मेला व्यापारी इस नई नीति से सख्त नाराज हैं. दरअसल, मेला प्राधिकरण का मानना है कि मेला में बहुतायत से शिकमी दुकानदार है और कुछ व्यापारी दुकानों का गलत तरह से हेरफेर करते हैं लेकिन मेला व्यापारी संघ का तर्क है कि कुछ मुनाफाखोर व्यापारियों के कृत्य की सजा सभी सौ प्रतिशत दुकानदारों को नहीं दी जा सकती है. मेला व्यापारियों ने अब एक सुर से मांग की है कि ग्वालियर मेला में यदि शिकमी या नकली दुकानदार है तो जांच कर उनके आवंटन निरस्त किए जाएं और मेला में दुकान आवंटन की वही प्रक्रिया अनवरत रखी जाए जो पिछले 119 साल से जारी है. प्राधिकरण के एक फैसले से मेला में झमेला पैदा तो हो ही गया है.

लापता हुए बाढ़ नियंत्रण कंट्रोलरूम

समूचे ग्वालियर चंबल अंचल में पिछले हफ्तेभर से हो रही झमाझम बारिश के चलते कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं. पचासों गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट गया है. हालत यह है कि अंचल के सभी बांधों के गेट कई कई बार खोलना पड़े हैं. पुल रपटे पानी में डूब गए हैं. बाढ़ नियंत्रण कंट्रोलरूम नदारद हैं. अंचल के कई इलाकों में इस जल आपदा के समक्ष प्रशासन भी बेबस नजर आ रहा है.

निशानेबाज

शुभांशु शुक्ला को नाम दिया 'शक्स' मिश्रा को भी कह सकते हैं 'मिक्स'

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, एक गजल का मुखड़ा है- सीने में जलन, आंखों में तूफान सा क्यों है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यों है?

हमने कहा, आप महानगरों में प्रदूषण, धुएं के बीच रहने वाले परेशान शख्स की चिंता मत कीजिए. उसकी जिंदगी ऐसी ही मुश्किलों और मजबूरियों के बीच बीतेगी. आपको शख्स को भूलकर 'शक्स' के बारे में सोचना चाहिए जिसने अंतरिक्ष में 20 दिनों से ज्यादा रहकर 300 बार से भी अधिक सूर्योदय और सूर्यास्त देखे हैं. शक्स का अर्थ है भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला! उसके साथी इसी नाम से उसे पुकारते हैं. उसने 1.3 करोड़ किलोमीटर की अंतरिक्ष यात्रा की है और एक्सिओम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में रहकर अनेक वैज्ञानिक प्रयोग किए हैं. शक्स अब 22.5 घंटे की फ्लाइट से पृथ्वी पर लौट रहा है. उसके लौटने की खुशी में आप गा सकते हैं- घर आया मेरा परदेसी, प्यास बुझी मेरी अंखियन की!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, परदेसी या परप्रांतीय जैसे

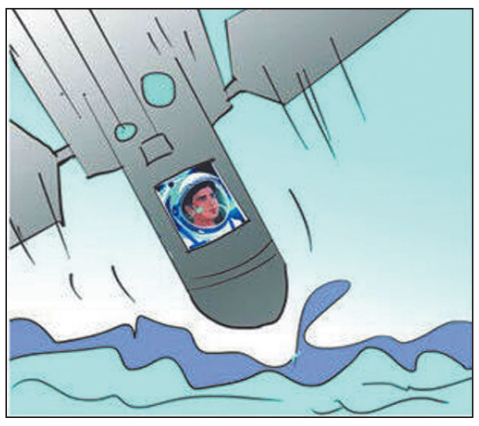

शब्दों का इस्तेमाल मत कीजिए. यदि लखनऊ के रहने वाले शक्स या शुक्ला को अंतरिक्ष से वापस आने पर मनसे के लोगों ने घेर लिया और उसने मराठी बोलने में असमर्थता जताई तो उसकी पिटाई कर दी जाएगी.

हमने कहा, इस बात की चिंता मत कीजिए. शक्स और उनके साथी एस्ट्रोनॉट जिस 'ग्रेस' कैप्सूल में बैठे हैं वह अमेरिकी समुद्र में स्प्लैश डाउन करेगा अर्थात छपाक से उतरेगा. फिर उस कैप्सूल को किनारे लाया जाएगा. लगभग एक सप्ताह तक शक्स और उनके साथियों को क्वारंटाइन में रखा जाएगा ताकि वह पृथ्वी के वातावरण से तालमेल बिठा सकें. अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं था. ये लोग भारहीनता की स्थिति में इतने दिनों तक रहे. यहां लौटने पर इन्हें संतुलन के साथ कदम जमा कर चलने का अभ्यास करना होगा. वह जीवाणुयुक्त वातावरण में रहे, अब उन्हें फिर से प्रदूषण के बीच रहना होगा. उन्हें इंफेक्शन न हो, इसके लिए उन्हें एकदम खुले में नहीं छोड़ा जाएगा.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, यदि शुक्ला को शक्स नाम दे दिया गया तो किसी मिश्रा को क्या कहकर पुकारेंगे?

हमने कहा, आप चाहें तो मिश्रा को 'मिक्स' कह सकते हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11965 - डॉ. सागर खादीवाला

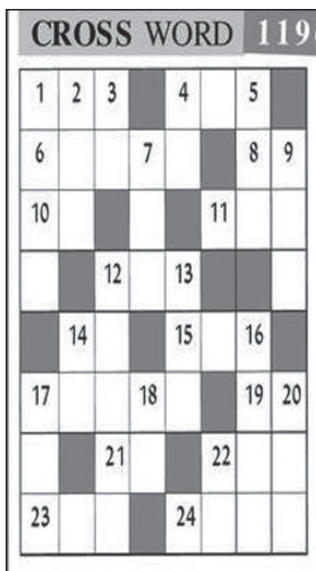

ऊपर से नीचे

1. केंद्र सरकार की व्यवस्था में इस पद के निर्माण के लिए अन्ना हजारे ने आंदोलन किया था 2. पीड़ा, वेदना, टीस 3. गंदे जल के गहने का मार्ग 4. डर 5. प्रत्यक्ष, आमने-सामने (उर्दू) 7. डोली ढोने और पानी भरने का काम करने वाला 9. वस्त्र, पहनावा 12. गजल लिखने वाला 13. जहाज पर यात्रा करने वाला 14. साहूकार, महाजन 16. दुख, कष्ट, क्लेश (उर्दू) 17. अभियोगात्मक निंदा, पीठ पीछे की हुई निंदा 18. प्रसिद्ध शिकारी एवं हिंसक पक्षी 20. धिक्कार, फटकार (उर्दू) 22. जेल, कारावास, काला

बाएं से दाएं

1. किसी वस्तु या भूमि पर चित्त या पट होते हुए इधर-उधर होना 4. एक बाजा जिसके दोनों तरफ चमड़ा मढ़ा होता है तथा बीच का भाग पतला होता है 6. सूर्य (सं.) 8. बगुला 10. पवित्र (उर्दू) 11. बदसूरत 12. आवश्यकता 14. वाद्य-यंत्र, सामग्री 15. स्थिति, दशा 17. हंसी-मजाक, मसखरापन 19. हुनर, आर्ट 21. काम, कार्य 22. बड़ा गलीचा 23. उत्तोलक, यकृत (अं.) 24. भलमनसाहत (उर्दू)

Solution 11964

य	शो	ध	रा		अं		वि
खं		मं		अ	बा	धि	त
ना		रा	जे	श्व	र		र
	का	ज		गं		गु	ण
ह	या		आ	धा		ल	
त	प	शी	ल			ब	लि
ब	ल		य	जु	र्व	द	
ल	ट	का		मं		न	दी

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, विनोदी, चतुर, चंचल तथा स्वविवेकी होगा, इनकी शिक्षा उत्तम रहेगी. ये शीघ्र ही किसी से भी मित्रता कर लेते हैं. माता पिता के प्रति इनका झुकाव रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

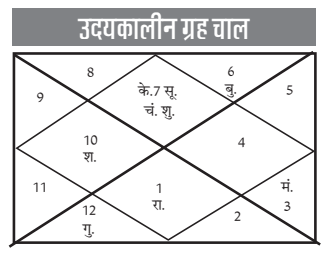

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण सप्तमीं गुरूवासरे शाम 5/47, रेवती नक्षत्रे रात 3/8, अतिगण्ड योगे दिन 9/57, विष्टि करणे सू.उ. 5/17 सू.अ. 6/43, चन्द्रचार मीन रात 3/8 से मेष, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण सप्तमीं को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से गुड, खांड, जौ, गेहूं, चना, रूई कपास, चांदी, सोना के भाव में मंदी होगी. जीरा, धनियां के भाव पूर्ववत् रहेंगे. वायदा विचारा आज 11 बजकर 10 मिनिट से 20 मिनिट रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 3116 है.

मेष- जीवनसाथी के साथ मतभेद रह सकते हैं, प्रापर्टी संबंधी विवाद के समाधान की संभावना है. आजीविका के प्रयासों में उन्नति होगी, साहस बना रहेगा.

वृषभ- पारिवारिक अपेक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रहेंगे, जिससे परिजन नाराज हो सकते हैं. मित्रता आपके लिये हितकर रहेगी, यात्रा में यथेष्ठ सावधानी रखें.

मिथुन- कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित सफलता के आसार हैं, हाथ में लिया गया काम पूरा होगा. खानपान पर नियंत्रण रखकर कार्य करें, उदर विकार से कष्ट हो सकता है.

कर्क- सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी उपस्थिति नया उत्साह भर देगी, नये की शुरूआत हो सकती है, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि का योग है, संयम रखकर कार्य करें.

सिंह- बेहतर भविष्य के लिये आपको कुछ कठोर फैसले लेने पड़ सकते हैं, स्वास्थ्य का ध्यान रखें. अतिथि रावणमन होगा, लाभ तथा यश प्राप्त होने का प्रबल योग है.

कन्या- खानपान में लापरवाही के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, नौकरी में तरक्की का योग है. संतान कार्यों में तथा लेखन सृजन के कार्यों में सफलता मिलेगी.

तुला- अधिकारियों से काम के संबंध में उचित आश्वासन मिलेगा, शीघ्रता में कोई निर्णय न लें. नवीन निर्माण कार्यों में उन्नति होगी, संयम से कार्य करना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- आप दूसरों के सहयोग के लिये हमेशा तैयार रहेंगे, साहस, पराक्रम एवं कामकाज के प्रति उत्साह रहेगा. सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

धनु- प्रस्तावित योजनाएं बाधित हो सकती है, सुनी बातों पर कोई निर्णय न लें. मित्रों एवं कुटुम्बियों के सहयोग से आर्थिक समस्या दूर होगी. सतर्कता रखें.

मकर- नए संपर्कों में सावधानी बरतें, लोग विश्वास में लेकर धोखा दे सकते हैं. मांगलिक कार्यों पर खर्च होगा, मनोरंजन, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी.

कुम्भ- घरेलू उलझनें परेशान करेंगी, नकारात्मक सोच से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विशेष श्रम एवं प्रयास करने से सफलता प्राप्त होगी. संयम रखें.

मीन- आप रिश्तों को सहज रखने की कोशिश करेंगे, जिसका कुछ लोग अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करेंगे. सोचे हुये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

SUDOKU 7097

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7096

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7